भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-253

उत्तर दिनांक - 24/07/2024 को दिया गया

नए परमाणु ऊर्जा संयंत्रों/रिएक्टरों की स्थापना करना

253. श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे
श्री सुधीर गुप्ता

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) क्या सरकार का वर्ष 2047 तक परमाणु विद्युत के 8000 मेगावाट के वर्तमान उत्पादन से बढ़ाकर एक लाख मेगावाट उत्पादन का लक्ष्य है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का 13,800 एमसी विद्युत उत्पादन की संचयी क्षमता वाले 18 और परमाणु विद्युत रिएक्टरों का निर्माण करने का विचार है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) देश में इस समय कुल कितने परमाणु विद्युत रिएक्टर कार्य कर रहे हैं और उनकी कुल उत्पादन क्षमता कितनी है;

(च) क्या न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) ने ऐसे परमाणु विद्युत रिएक्टरों के निर्माण के लिए स्थान की पहचान कर ली है;

(छ) यदि हां, तो तत्संबंधी स्थान-वार ब्यौरा क्या है;

(ज) इन परमाणु विद्युत रिएक्टरों के निर्माण पर कुल कितनी धनराशि व्यय की जाएगी और सरकार द्वारा अब तक कितनी धनराशि स्वीकृत और जारी की गई है;

(झ) क्या सरकार ने इन परमाणु ऊर्जा सयंत्रों का निर्माण करने के लिए किसी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं अथवा इस क्षेत्र में विशेषज्ञता वाले अन्य देशों अथवा संगठनों/फर्मों के साथ सहयोग किया है; और

(ञ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) व (ख) मौजूदा स्थापित नाभिकीय विद्युत क्षमता 8180 मेगावाट से वर्ष 2031-32 तक 22480 मेगावाट बढ़ाया जाना निर्धारित है। जबकि वर्ष 2070 तक निवल शून्य में भारत के ऊर्जातरण संबंधी विभिन्न अध्ययनों से वर्ष 2047 तक 1 लाख मेगावाट के आदेश की राष्ट्रीय नाभिकीय क्षमता की आवश्यकता का अनुमान है, उन अध्ययनों की सिफारिश को संभवतः भविष्य में अपनाए जाने के लिए विचार किया जा रहा है।

(ग) व (घ) जी, हां। वर्तमान में 15300 मेगावाट की कुल क्षमता वाले 21 रिएक्टर एनपीसीआईएल द्वारा क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। विवरण नीचे (च) में दिया गया है।

(ङ) देश में वर्तमान स्थापित नाभिकीय विद्युत क्षमता 24 नाभिकीय विद्युत रिएक्टरों को मिलाकर 8180 मेगावाट हैं।

(च), (छ) व (ज) जी, हां। एनपीसीआईएल द्वारा क्रियान्वयन के अधीन नाभिकीय विद्युत परियोजनाओं का विवरण नीचे दिया गया है :

राज्य	स्थान	परियोजना	क्षमता (मेगावाट)	स्वीकृत लागत, रु. करोड़ में	किया गया व्यय (मई 2024 को), रु. करोड़ में
निर्माणाधीन/कमीशनन के अधीन परियोजनाएं					
राजस्थान	रावतभाटा	आरएपीपी - 7 व 8	2 X 700	12320*	18385
तमिलनाडु	कुडनकुलम	केकेएनपीपी - 3 व 4	2 X 1000	39849**	43535
		केकेएनपीपी - 5 व 6	2 X 1000	49621	15933
	कल्पाक्कम	पीएफबीआर#	1 X 500	7524 @	6750
हरियाणा	गोरखपुर	जीएचएवीपी - 1 व 2	2 X 700	20594	6892

पूर्व-परियोजना गतिविधियों के अधीन परियोजनाएं					
कर्नाटक	कैगा	कैगा - 5 व 6	2 X 700	105000	1056
हरियाणा	गोरखपुर	जीएचएवीपी - 3 व 4	2 X 700		188
मध्य प्रदेश	चुटका	चुटका - 1 व 2	2 X 700		499
राजस्थान	माही बांसवाड़ा	माही बांसवाड़ा - 1 व 2	2 X 700		668
		माही बांसवाड़ा - 3 व 4	2 X 700		
तमिलनाडु	कल्पाक्कम	एफबीआर - 1 व 2#	2 X 500	250	196.60

'*' रुपए 22924 करोड़ के परिशोधन के अधीन ** रुपए 68893 करोड़ के परिशोधन के अधीन

भाविनी द्वारा क्रियान्वित

@ रुपए 6840 करोड़ की संस्वीकृत लागत के अलावा, परमाणु ऊर्जा आयोग (एईसी) ने अंतरिम व्यय के लिए रुपए 684 करोड़ का अनुमोदन दिया है।

(झ) व (ञ) जी, हां। केकेएनपीपी - 3 व 4 (2 X 1000 मेगावाट) और केकेएनपीपी - 5 व 6 (2 X 1000 मेगावाट) रूसी परिसंघ के तकनीकी सहयोग में स्थापित किए जा रहे हैं।

*****